TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

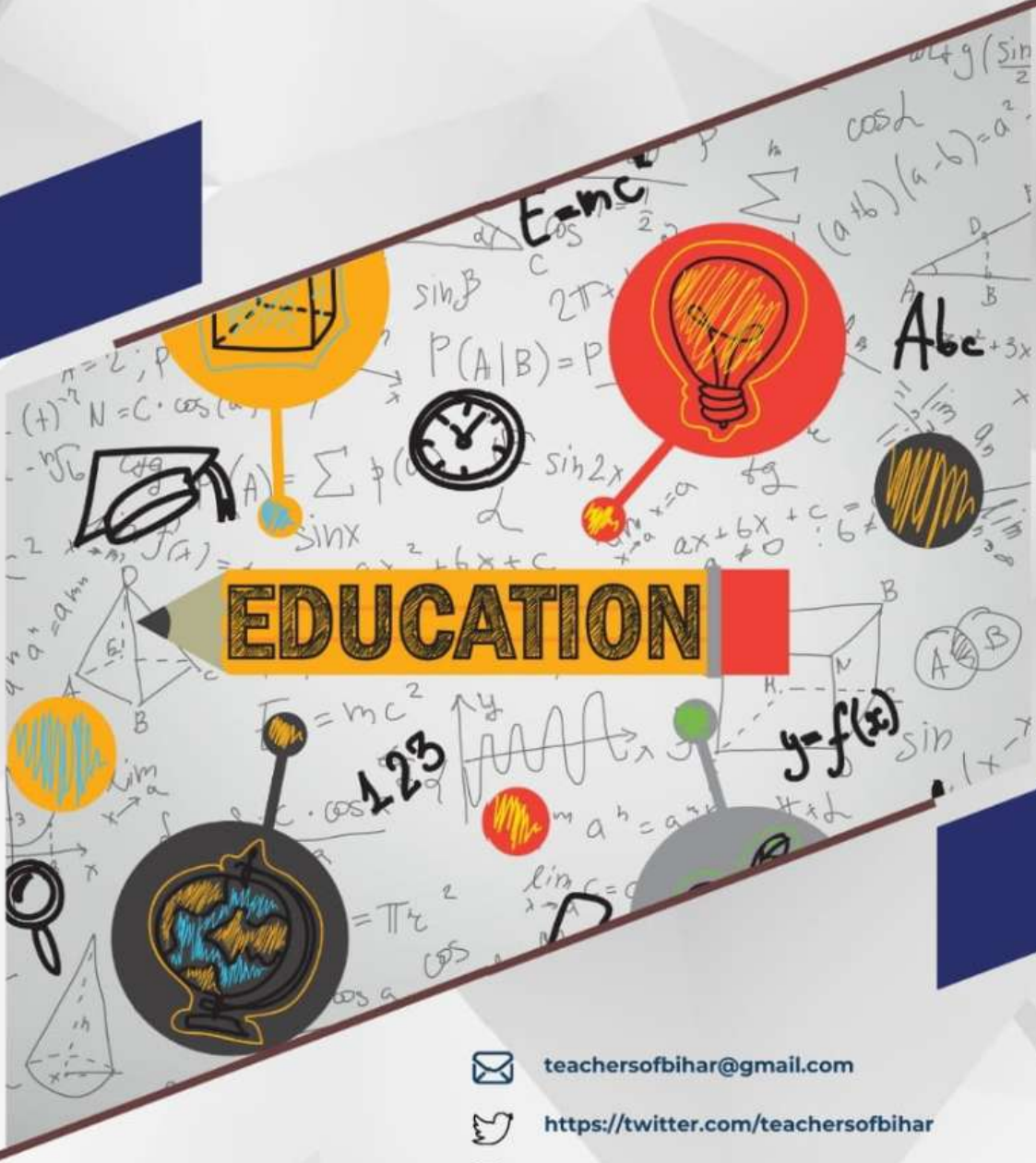

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

पुण्यतिथि विशेष

12 नवंबर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

विनम्रता के बिना ज्ञान बेकार है।

महामना मदन मोहन मालवीय

(स्वतंत्रता सेनानी)

जन्म: 25 दिसम्बर 1861 मृत्यु: 12 नवंबर 1946

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

12 नवम्बर

1. **विश्व न्यूमोनिया दिवस–** विश्व भर में प्रतिवर्ष 12 नवम्बर को विश्व न्यूमोनिया (फुफ्फुस प्रदाह) दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की शुरूआत वर्ष 2009 में संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) द्वारा मनाया गया था। निमोनिया सांस से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें फेफड़ों में इन्फेक्शन हो जाता है और कई बार पानी भी भर जाता है। यह शिशुओं, बच्चों और 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को अधिक प्रभावित करता है।
   - **संदर्भ:** बच्चों को सुरक्षित शनिवार से जोड़कर चर्चा करें।
2. **राष्ट्रीय पक्षी दिवस–** 'बर्डमैन ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर सालिम मुईनुद्दीन अब्दुल अली एक भारतीय पक्षी विज्ञानी और प्रकृतिवादी थे। उनके जन्म दिवस को राष्ट्रीय पक्षी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका जन्म 1896 ई. में हुआ था। वे भारत के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने व्यवस्थित रूप से पक्षी का सर्वेक्षण किया। उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण और पद्म विभूषण पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।
   - **संदर्भ: पर्यावरण और हम भाग 1 के अध्याय 3 'रंग–बिरंगे पंख'** से जोड़कर चर्चा करें।
   - **क्या करें?** बच्चों को कहें कि अपने आस–पास पाये जाने वाले पक्षियों की सूची बनायें और उनके भोजन, रहन–सहन, प्रजनन आदि पर एक रिपोर्ट तैयार करें।
3. **डूरंड लाइन पर सहमति–** मोर्टिमर डूरंड, ब्रिटिश भारत के विदेश सचिव और अफगानिस्तान के अमीर अब्दुर्रहमान खान ने डूरंड लाइन समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो कि अब अफगानिस्तान–पाकिस्तान के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा है।
4. **मदन मोहन मालवीय का निधन–** महान स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ, शिक्षाविद् और एक बड़े समाज सुधारक मदनमोहन मालवीय का निधन 12 नवम्बर, 1946 ई. को उत्तरप्रदेश के वाराणसी में हुआ था। वे बनारस हिंदु विश्वविद्यालय (बी.एच.यू) के संस्थापक थे। भारत के राष्ट्रीय आदर्श वाक्य 'सत्यमेव जयते' (सत्य की जीत होती है) को लोकप्रिय बनाने का श्रेय उनको ही जाता है। वह चार बार यानी 1909, 1918, 1932 और 1933 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। अपने महान कार्यों के चलते वे 'महामना' कहलाए।
5. **लोक सेवा प्रसारण दिवस–** यह दिवस वर्ष 1947 में महात्मा गांधी के नई दिल्ली के आकाशवाणी स्टूडियों में आने की याद में मनाया जाता है। महात्मा गांधी ने 12 नवंबर, 1947 के दिन विस्थापित लोगों को संबोधित किया, जो बँटवारें के बाद अस्थायी रूप से हरियाणा के कुरूक्षेत्र में रह रहे थे।

Tuesday

Madhu priya

दिवस विशेष

12 नवंबर

मधु प्रिया

महामना मदन मोहन मालवीय का निधन 12 नवम्बर

मालवीयजी का जन्म प्रयागराज में 25 दिसम्बर 1861 को पं० ब्रजनाथ व मूनादेवी के यहाँ हुआ था। वे अपने माता-पिता से उत्पन्न कुल सात भाई बहनों में पाँचवें पुत्र थे। मध्य भारत के मालवा प्रान्त से प्रयाग आ बसे उनके पूर्वज मालवीय कहलाते थे। आगे चलकर यही जातिसूचक नाम उन्होंने भी अपना लिया। पंडित इनको और इनके पिता जी को उपाधि मे मिली पिता पण्डित ब्रजनाथजी संस्कृत भाषा के प्रकाण्ड विद्वान थे। वे श्रीमद्भागवत की कथा सुनाकर अपनी आजीविका अर्जित करते थे। पाँच वर्ष की आयु में उन्हें उनके माँ-बाप ने संस्कृत भाषा में प्रारम्भिक शिक्षा लेने हेतु पण्डित हरदेव धर्म ज्ञानोपदेश पाठशाला में भर्ती करा दिया जहाँ से उन्होंने प्राइमरी परीक्षा उत्तीर्ण की। उसके पश्चात वे एक अन्य विद्यालय में भेज दिये गये जिसे प्रयाग की विद्यावर्धिनी सभा संचालित करती थी। यहाँ से शिक्षा पूर्ण कर वे इलाहाबाद के जिला स्कूल पढने गये। यहीं उन्होंने मकरन्द के उपनाम से कवितायें लिखनी प्रारम्भ की। उनकी कवितायें पत्र-पत्रिकाओं में खूब छपती थीं। लोगबाग उन्हें चाव से पढते थे। 1879 में उन्होंने म्योर सेण्ट्रल कॉलेज से, जो आजकल इलाहाबाद विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है, मैट्रीकुलेशन (दसवीं की परीक्षा) उत्तीर्ण की। हैरिसन स्कूल के प्रिंसपल ने उन्हें छात्रवृत्ति देकर कलकत्ता विश्वविद्यालय भेजा जहाँ से उन्होंने 1884 ई० में बी०ए० की उपाधि प्राप्त की। महामना मदन मोहन मालवीय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रणेता तो थे ही इस युग के आदर्श पुरुष भी थे। वे भारत के पहले और अन्तिम व्यक्ति थे जिन्हें महामना की सम्मानजनक उपाधि से विभूषित किया गया। 12 नवंबर 1946 को इनकी मृत्यु हो गई।

Teachers of Bihar
The change makers

पुण्यतिथि विशेष 12 नवंबर

राकेश कुमार

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक
महान शिक्षाविद, समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता सेनानी

भारत रत्न

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी

की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन

महामना मदन मोहन मालवीय (जन्म-25 दिसम्बर 1861 मृत्यु-12 नवंबर 1946) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रणेता तो थे ही और इस युग के आदर्श पुरुष भी थे। वे भारत के पहले और अन्तिम व्यक्ति थे जिन्हें महामना की सम्मानजनक उपाधि से विभूषित किया गया। पत्रकारिता, वकालत, समाज सुधार, मातृ भाषा तथा भारतमाता की सेवा में अपना जीवन अर्पण करने वाले इस महामानव ने जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की उसमें उनकी परिकल्पना ऐसे विद्यार्थियों को शिक्षित करके देश सेवा के लिये तैयार करने की थी जो देश का मस्तक गौरव से ऊँचा कर सकें।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 12.11.2024

महामना

महामना शब्द का इस्तेमाल उन महापुरुषों के लिए किया जाता है जिनका हृदय उदार हो, बुद्धि व्यापक हो, और विचार महान हों. पंडित मदन मोहन मालवीय को महामना की उपाधि से जाना जाता है। वे भारत के पहले और आखिरी व्यक्ति थे जिन्हें महामना की उपाधि से सम्मानित किया गया।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

नर्मदा नदी जो कि मध्य प्रदेश के अमरकंटक से निकलती है भारत की इकलौती नदी है जो पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है।

TOB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

सेलिंग खेल (नौकायन)

सेलिंग

पहली बार 1900 के पेरिस ओलंपिक खेलों में सेलिंग की शुरुआत एक ओलंपिक खेल के तौर पर हुई थी। साल 1904 के ओलंपिक खेलों को छोड़कर ये खेल सभी ओलंपिक का हिस्सा रहा।

सेलिंग का शुरुआत

अंतर्राष्ट्रीय यॉट रेसिंग साल 1851 में शुरू हुई। न्यूयॉर्क यॉट क्लब के सदस्यों के एक दल ने 'अमेरिका' नामक 101 फुट शूनर यानी दो मस्तूलों का जहाज का निर्माण किया। इसने एक रेस में हंड्रेड गिनीज कप नाम कि एक ट्रॉफी जीती थी। बाद में इस ट्रॉफी को बदलकर 'द अमेरिका कप' कर दिया गया

सेलिंग के नियम

- ओलंपिक रेसिंग अब समान वजन और माप के आधार पर एख जैसे डिजाइन कैटेगरी में बांटी गई नावों के साथ आयोजित की जाती है।
- अमेरिका का कप एक मैच रेस फॉर्मेट को फॉलो करता है, जिसमें एक नाव दूसरे के खिलाफ रेस करती है।
- इसमें अधिकांश इवेंट्स फ्लीट रेस के होते हैं। जहां कई क्रॉफ्ट फिनिशिंग पोजीशन तक सबसे पहले पहुंचने के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं।
- फ्लीट रेस और मैच रेस में सभी क्रू टकराने से बचने और नाव को सही दिशा में आगे बढ़ाने की कोशिश करते हैं।

सेलिंग खेल के प्रमुख खिलाड़ी

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
महामना मदन मोहन मालवीय
25 दिसम्बर 1861 - 12 नवंबर 1946
/teachersofbihar
Madhu priya